



2026:DHC:9168



\$~88 and 89

* **IN THE HIGH COURT OF DELHI AT NEW DELHI**

% ***Date of Decision: 13.10.2026***

CNR No. DLHC010495922026

+ W.P.(CRL) 3246/2026, CrI.M.A.32326/2026, CrI.M.A.32327/2026
CrI.M.A.32328/2026

(88) VIJAY KUMAR @ VIJAY Petitioner
Through: Mr. Satyam Thareja, Adv. (DHCLSC)
along with Ms. Ashu Jain and Mr.
Deepak, Advocates.

versus

THE STATE (GOVT OF NCT OF DELHI) Respondent
Through: Mr. Rahul Tyagi, ASC for State.

CNR No. DLHC010496882026

+ W.P.(CRL) 3250/2026, CrI.M.A.32379/2026, CrI.M.A.32380/2026
CrI.M.A.32381/2026

(89) VIJAY KUMAR @ VIJAY Petitioner
Through: Mr. Satyam Thareja, Adv. (DHCLSC)
along with Ms. Ashu Jain and Mr.
Deepak, Advocates.

versus

THE STATE (GOVT. OF NCT DELHI) Respondent
Through: Mr. Rahul Tyagi, ASC for State.

CORAM:

HON'BLE MR. JUSTICE SACHIN DATTA

SACHIN DATTA, J. (ORAL)

1. The present petition, i.e., W.P.(CRL) 3246/2026, has been filed by the petitioner, who has undergone 21 years of incarceration, under Article 226 of the Constitution of India read with Section 528 of the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023, seeking a direction to the respondent to shift the petitioner back to the semi-open prison.

2. Additionally, the petitioner has also filed W.P.(CRL) 3250/2026, under



Article 226 of the Constitution of India read with Section 528 of the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023, seeking a writ of mandamus directing the respondent to count the period from 15.05.2021 to 07.04.2023, spent by the petitioner on emergency parole, towards the sentence undergone by him.

3. Both the petitions have been heard together.

4. The factual matrix is that on a previous occasion, there was a delay on the part of the petitioner in surrendering pursuant to the grant of emergency parole, consequent to which he was re-arrested and a punishment ticket was issued against him. The said lapse was subsequently held by this Court to be an inadvertent omission, rather than a deliberate attempt to evade custody.

5. The punishment ticket was quashed by this Court *vide* order dated 31.10.2025 in W.P.(Crl.) No. 2103/2025. The same, *inter alia*, reads as under:

7. It appears probable that the Petitioner was genuinely unaware of the final date of surrender, given the multiple extensions of emergency parole and the lack of clear communication from the authorities. Thus, Petitioner's failure to surrender was an inadvertent omission, rather than a deliberate attempt to evade custody. Accordingly, considering the Petitioner's otherwise satisfactory record, and the extraordinary circumstances

prevailing during the pandemic, the benefit of doubt ought to be extended to him. It must also be noted that imposition of punishment, even in the nature of a warning, must be quashed in the facts of the present case as it has the potential of effecting Petitioner's right to seek pre-mature release.

8. In view thereof, the present petition is allowed and the Jail Punishment ticket dated 13th September, 2021 is hereby quashed.

9. Accordingly, the petition stands disposed of.

6. In the light of the aforesaid order, a representation dated 24.11.2025, in



2026:DHC:9168



W.P.(CRL) 3246/2026, was submitted by the petitioner to the prison authorities. The same reads as under:

विषय: ओपन जेल में जाने हेतु मांगित पत्र।

महोदय जी, खोबिंद निवेदन यह है कि मैं, श्री विजय कुमार (विषय नं० श्री रामजीवन जेल नं० २ में कारागार सजा की कोटि काट रहा हूँ जो और मैं ओपन जेल का भी हूँ, क्योंकि मैं पहले से ओपन जेल में था उसके बाद मुझे ओपन जेल में दिवा या और में आपसी १५-६ वाली कोठी में कामिरल या कोरोना काज में मुझे २०२० में कोठी में पैरान का छोड़ा गया था २०/०२/२०२१ का मैंने इस समय पर सोस्ट्रिफिका था उसके बाद दोबारा १५/०५/२०२१ को मुझे कोरोना का पैरान पर फिट छोड़ा गया था जिसका ०७/०५/२३ को मुझे सोस्ट्रिफिकेशन का फट मैं इस समय पर नहीं आया था क्योंकि दोबारा कोठी काज से बाधित होने का मुझे जेल बाजों में कोटि में से जेल नहीं दिवा का पहले कोठी में जेल बाजों में मुझे फिट किया था तो मैंने इस समय पर सोस्ट्रिफिका था और मुझे ओपन जेल में जा गया था दोबारा में इस कोटि में से जेल बाजों का व जाने जाने का कोटि में से जेल में वास नहीं पहुँचें और मैं इस समय पर जेल नहीं आ सका था क्योंकि इसमें मेरी कोटि गपली नहीं थी उसके बाद ०१/०८/२०२५ को मुझे विजयी पुलिस ओपन जेल में मेरे घर से लेना आदि।

और जेल बाजों में मुझे जेल नं० २ में ५६ दिवा उसके बाद २३/०९/२५ को जेल बाजों में मुझे आपन सोया जिसका जिला में २५/०९/२५ को जेल प्रसाशन का है दिवा उसके बाद ०८/१०/२५ को जेल सुपरिन्टेंडेंट साहब ने मुझे पंजिसमें दंडी जिसका मैंने हरि कोटि में मुझे दी थी जिसका ०१/१०/२५ को हरि कोटि में मेरी पंजिसमें का हस्त कर दिवा अब मुझे दोबारा ओपन जेल में जाने का आदेश जेल प्रसाशन को देने की जगह को जिसमें मैं दोबारा ओपन जेल में हूँ

मांगना कि मेरी आपसी वय जोका विजयी है कि मुझे ओपन जेल में जाने को अनुमति देने की जगह को देनी

आपसी इसी जगह देनी जी
हरि कोटि का (C.R.L) No २१०३/२५ है।
जिसका जिला में भी साथ में है।

विजय कुमार (विषय नं० रामजीवन)
जिला जेल नं० २
नई दिल्ली ११००६५



2026:DHC:9168



7. Additionally, a representation dated 26.11.2025, in W.P.(CRL) 3250/2026, was submitted by the petitioner to the Jail Superintendent, Central Jail No. 2, Tihar, seeking that the period from 15.05.2021 to 07.04.2023 spent on emergency parole be counted towards the sentence undergone by him. The same reads as under:

बेवफाई: अपनी कस्टडी जुड़वाने व कस्टडी सर्टिफिकेशन लेने हेतु
प्रार्थना पत्र।

महोदय जी, सबिन्प निवेदन यह है कि मैं आपकी बिनाप १०
रामजीगंज आपकी जेल नं० में २० सख्त व लापरवाही
कोड़ काट रहा हूँ मैं फरवरी २००२ से जेल कस्टडी में हूँ
मैं कभी जमानत पर बाधर नहीं गया हूँ मैंने जोबन पैरोन
व फरले पर ही बाधर गया हूँ मैं कोरोना काक में, २०२० में
कोरोना पैरोन पर छेड़ा था उसके बाद २३/०३/२०२१ को मैंने सुभय
पर सरेन्डर किया था उसके बाद १५/०५/२०२१ को मुझे देखा
कोरोना पैरोन पर छेड़ा था जिसका नं०/०५/२३ को सरेन्डर
देने का मेरे पास नस कोई जोड़ गण नहीं मुझे कोई सूचना
मिली जिस कारक मुझे ०१/०८/२०२४ री अरेस्ट करके लाया
गया था और मुझे पनिस प्रिन्ट देकर जेल में छेड़ा किया
अब मेरी ३१/१०/२०२५ को छेड़ी और मैं मेरी पनिस प्रिन्ट खत्म
हो गई है इस लिए मुझे मेरा कस्टडी सर्टिफिकेशन व
देने की कृपा करें, और मुझे बलाया जाए कि मेरी आप
तक कितनी शेरक कस्टडी हो चुकी है।

महोदय जी, मुझे मेरी कस्टडी बलाने व मेरा कस्टडी सर्टिफिकेशन
देने की अनुमति देने की कृपा करें जी
आपकी अलि कृपा होगी जी।

आपकी बिनाप

